कच्चा माल मिलेगा, जैसे बड़े उद्योगों को मिलता है ?

श्री दिनेश सिंह : जब नीति बन जायेगी, तब इसका सवाल उठेगा।

Shri Kanwarlal Gupta: We seek your protection. The Minister is not replying to the question.

Shri Hardayal Devgun: I wanted a clarification. Will there be any discrimination between the small industry and the big industry as before in the new policy or not? सवाल यह है कि जैसे बड़े उद्योगों को उनकी क्षमता के अनुसार मिलता है वैसा क्या छोटे उद्योगों को भी मिलेगा ?

Mr. Speaker: He has put it in English; he need not repeat it in Hindi

श्री दिनेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रश्न पहले भी बिलकुल साफ़ समझ गया था। मेरी कठिनाई यह है कि अगर इस तरह से हिस्सों-हिस्सों में कहू तो दिक्कत हो जायगी, जब तक पूरी नीति बने नहीं, इसके बारे में क्या जवाब दू ?

Shri S. R. Damani: In the last seven months after devaluation, our exports have gone down by $130 million as incentives were not offered for export. In the new import policy, will incentives for export be given so that we cannot only maintain but increase our exports

Shri Dinesh Singh: This is a sug- Salem, Madras State,

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Salem Steel Plant

***170. Shri Sezhiyan:** Will the Minister of Steel, Mines and Metals be pleased to state:

(a) the progress made so far in the establishment of a steel plant at Salem, Madras State;

(b) whether any foreign collaboration has been entered into for this steel plant; and

(c) if so, the salient features thereof?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Redy): (a) A number of studies by Indian as well as foreign firms have been made regarding the suitability of certain sites, including Salem, for the setting up of steel plants. Government of India have not yet taken any decision to set up a steel plant at Salem in the Madras State.

(b) and (c). Do not arise.

शाहदरा-सहारनपुर लाईट रेलवे

*174. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या शाहदरा-सहारनपुर लाइट रेलवे के काम करने के बारे में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई है ;

(ख) इस रेलवे लाइन की व्यवस्था कब तक गैर-सरकारी कम्पनी के हाथ में रहेगी ; और

(ग) क्या सरकार का इस रेलवे लाइन को अपने हाथ में लेने और बाद में उसे बड़ी लाइन बनाने का विचार है ?

रेल मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) शाहदरा-सहारनपुर लाइट रेलवे के काम के बारे में अभी हाल में कोई शिकायत नही मिली है ।

(ख) और (ग) केन्द्रीय सरकार के साथ हुए एक करार के अनुसार कम्पनी इस रेलवे का संचालन कर रही है । करार के अनुसार प्रत्येक सात वर्ष की अवधि के उपरान्त केन्द्रीय सरकार को अधिकार है कि यदि वह चाहे, तो इस रेलवे को खरीद सकती है । इस रेलवे को खरीदने का अगला विकल्प 18-4-1969 को पड़ेगा और उस समय इस मामले पर सविस्तार विचार किया जायेगा ।